भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2067
9.3.2016 को उत्तर दिए जाने के लिए

महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना

2067. श्री दुष्यंत चौटालाः
श्री चरणजीत सिंह रोड़ीः

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना सफलतापूर्वक क्रियान्वित नहीं की गई है तथा खाड़ी देशों में इसके लाभार्थियों की संख्या बहुत कम है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा कारण क्या हैं तथा क्या सरकार अतिरिक्त कोष आबंटन से एमजीपीएसवाई की पुनर्संरचना पर विचार कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) भारतीय श्रमिकों, विशेषकर खाड़ी के देशों में इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों के लाभ के लिए सरकार द्वारा कौन से कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने की संभावना है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[जनरल (डॉ) वी. के. सिंह (सेवानिवृत्त)]

(क) से (घ) स्वैच्छिक योजना होने के कारण महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना (एमजीपीएसवाई) के अंतर्गत अंशदान की राशि बहुत कम है। यह योजना कई कारणों से असफल रही। सरकार विदेशों में भारतीय श्रमिकों हेतु इस योजना को उपयुक्त एवं आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न संभावनाओं की तलाश करने के उद्देश्य से हितधारकों के साथ परामर्श करके इस योजना की पुनर्संरचना की प्रक्रिया में है।

*****